

प्रेषक,

अनूप वधावन,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

शहरी विकास विभाग,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2 :

देहरादून: दिनांक- 10 दिसम्बर, 2009

विषय:- जवाहर लाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन के अन्तर्गत हरिद्वार शहर की वाटर सप्लाई रिआर्गेनाइजेशन स्कीम हेतु केन्द्रांश तथा राज्यांश की द्वितीय किस्त के समायोजन के सम्बन्ध में।

महोदय,

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के पत्र संख्या 44(1)/P.F.-1/2009-343 दिनांक 30-10-2009 द्वारा उक्त योजना हेतु केन्द्रांश की द्वितीय किस्त धनराशि रु0 956.88 लाख अवमुक्त की गयी है, जिसके सापेक्ष देय राज्यांश रु0 239.22 लाख सहित कुल रु0 1196.10 लाख (रुपये ग्यारह करोड़ छियान्चे लाख दस हजार मात्र) होता है।

2- इसी क्रम में शासनादेश संख्या 730/IV(2)-श0वि0-09-06(एनयूआरएम)/08 दिनांक 29-7-2009 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे, जिसके माध्यम से उक्त योजना को कुम्भ मेला-2010 की तात्कालिकता के दृष्टिगत कार्यो को पूर्ण कराये जाने हेतु केन्द्रांश की धनराशि प्राप्त होने की प्रत्याशा में रु0 1500.00 लाख (रुपये पन्द्रह करोड़ मात्र) अवमुक्त किया गया है।

3- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार से प्राप्त द्वितीय किस्त, जो कि राज्यांश सहित रु0 1196.10 लाख (रुपये ग्यारह करोड़ छियान्चे लाख दस हजार मात्र) है, का समायोजन शासनादेश दिनांक 29-7-2009 द्वारा स्वीकृत धनराशि रु0 1500.00 लाख (रुपये पन्द्रह करोड़ मात्र) में से किया जा रहा है एवं अब अवशेष रु0 303.90 लाख (रुपये तीन करोड़ तीन लाख नब्बे हजार मात्र) का समायोजन परियोजनान्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त होने वाली तृतीय किस्त में से कर लिया जायेगा।

4- उक्त योजनान्तर्गत पूर्व अवमुक्त धनराशि यदि बैंक में रखकर उसपर ब्याज अर्जित हुआ है तो समस्त ब्याज की धनराशि ट्रेजरी चालान के माध्यम से राजकोष में जमा करके उसकी प्रमाणित प्रति शासन को उपलब्ध करा दी जायेगी।



5- उक्त रू0 1196.10 लाख की धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप तैयार कर भारत सरकार को उपलब्ध कराने की कार्यवाही यथाशीघ्र सुनिश्चित की जाय ताकि तृतीय किस्त प्राप्त किये जाने की कार्यवाही की जा सकें।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0- 778/XXVII(2)/2009, दिनांक- 04 दिसम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

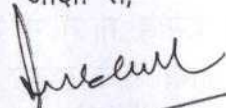
(अनूप वधावन)  
सचिव।

1857  
सं0 (1)/IV(2)-शा0वि0-09, तददिनांक।

प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा0 नगर विकास मंत्री जी (मा0 मुख्यमंत्री जी)।
4. सचिव, पेयजल, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी0ओ0 में इसे शामिल करें।
11. मुख्य अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
12. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
13. अधीक्षण अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, हरिद्वार।
14. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
15. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

  
(सुभाष चन्द्र)  
अनु सचिव।